

श्रीगुरुगोपालका

मन्त्रः गतिष्ठु प्रस्तुः स्वेहः अमन्त्रः गतिष्ठु प्रस्तुः स्वेहः ते
प्रस्तुः श च एवं प्रस्तुः श च एवं प्रस्तुः श च एवं प्रस्तुः श च

वंदना

पूछसङ्ख्या

पूछसङ्ख्या

- | | | | |
|------------------------------|----|---------------------------------------|----|
| 1. अकारान्त-पुलिलङ्गः | 5 | 9. मध्यमः पुरुषः (बहुवचनम्) | 46 |
| 2. आकारान्त-स्त्रीलिङ्गः | 6 | उपायेन शक्यम् सर्वम्
(केवलं पठनाय) | 51 |
| 3. अकारान्त-नपुंसकलिङ्गः | 11 | 10. उत्तमः पुरुषः (एकवचनम्) | 53 |
| 4. प्रथमः पुरुषः (एकवचनम्) | 16 | 11. उत्तमः पुरुषः (द्विवचनम्) | 58 |
| 5. प्रथमः पुरुषः (द्विवचनम्) | 21 | 12. उत्तमः पुरुषः (बहुवचनम्) | 63 |
| 6. प्रथमः पुरुषः (बहुवचनम्) | 26 | 13. क्रियापदस्य प्रयोगः | 68 |
| 7. मध्यमः पुरुषः (एकवचनम्) | 31 | 14. अव्ययपदानि | 75 |
| 8. मध्यमः पुरुषः (द्विवचनम्) | 41 | वार्तालापः (केवलं पठनाय) | 80 |

पुरुषता पुरुषिणः पुरुषवो परेष्वरः।
पुरुषसंक्षेपं परेष्वत तस्मै श्री गुरु नमः॥१॥
पैरामि सरकृतं नित्यं वदामि सरकृतं सरकृतं प्राप्तम्॥२॥

वंदना

अभिः— गुरु ब्रह्मा है, गुरु विद्या है, गुरु तेज है,
गुरु विद्या है। शिक्षा गुरु भासा है, परम भासा है, ब्रह्म
गुरु भासा है।

गुरु भासा है।



त्वं गतिष्ठु प्रस्तुः स्वेहः अमन्त्रः गतिष्ठु प्रस्तुः स्वेहः ते
प्रस्तुः श च एवं प्रस्तुः श च एवं प्रस्तुः श च एवं प्रस्तुः श च

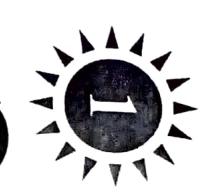
प्रस्तुः श च एवं प्रस्तुः श च एवं प्रस्तुः श च एवं प्रस्तुः श च



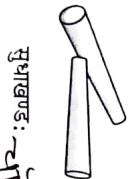
अकारान्त-पुंलिलङ्गः२ल।:

अग्रांत-पुलिंग शब्द

अलोकि



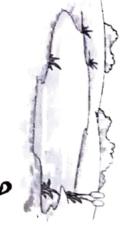
चालक: वाहन



मुधखण्ड: चौक



शिक्षक: शिक्षा



सरोवर



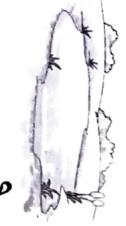
मेघ: क्षात्रादल



उलूक: उलूद



हंस: हंस



सौचिक: दरद



चिकित्सक: चिकित्सक



पाचक: पाचन



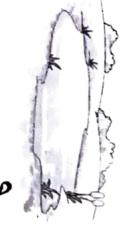
चालक: चालन



सोनक: सोनिक



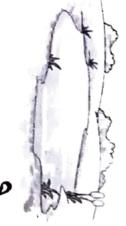
तपक: तप्ति



वाहन: वाहन



आशक: आशा



लोखन: लोखन



भावक: भावन



अवृत्त: अवृत्ति



धैवत: धैवति



भावनी भाव



वृष्ट: वृष्टि



गर्भ: गर्भग्राहन



अस्त्र: अस्त्रिया



वृद्ध: वृद्धि



हंस: हंस



सौचिक: दरद



मालाकार: माली



चमोङ्गार: चमोङ्गार



रूप: रूपामा

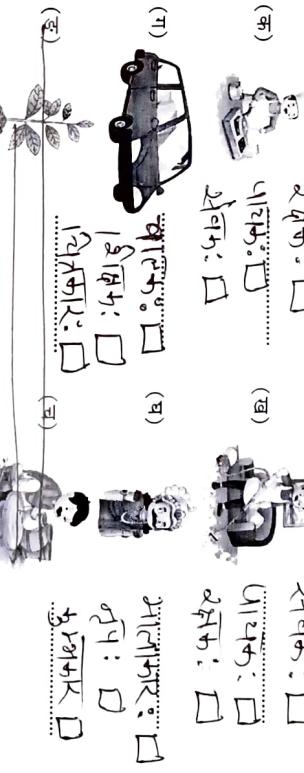


कुम्भकार: कुम्भकार

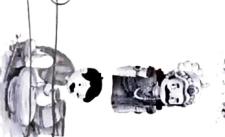
महाराष्ट्र शैक्षणिक प्रश्नपत्र

महाराष्ट्र शैक्षणिक प्रश्नपत्र

1. चित्रों को देखकर अवेदन-चापा-सर्वकान्मैलिग्राहण। (Look at the pictures and write their names in Sanskrit.)



2. उत्तित मिलान कीर्तिग्राहण। (Match the following)



- कपोतः
- मौनः

- मर्दः

1. पुलिंग शब्द किसे कहते हैं?
2. अकारात पुलिंग शब्द किसे कहते हैं?
3. पैच अकारात पुलिंग शब्दों के नाम बताइए।

(क) आकारः
+ लिखत, लिखन चाहे। **आखिए और लोलिए** **Book**

- (ख) तथकः
- (ग) विकित्सकः
- (द) उद्ध्रः
- (च) हस्यः

- (स) सौमित्रः
- (अ) उद्धरः
- (उ) लिखतः
- (इ) लिखन चाहे।

शब्दावयः:	
नामितः = नाहि	निकित्सकः = डॉसर
धावकः = दौड़ने वाला	आकारः = सिपाही
आकारः = सिपाही	तथकः = बढ़े
कुम्भकारः = कुम्भक	मालाकारः = माली

भाषाज्ञनम्

ऐसे शब्द जिनसे पुरुष जाति का बोध हो, वे पुलिंग शब्द कहलाते हैं और ऐसे पुलिंग शब्द जिनके अंत में 'ा' स्वर की ध्वनि आती है, वे अकारात पुलिंग शब्द कहलाते हैं; जैसे-

बालक - ब् + आ + ल + अ + क् + अ

अध्यासं कुरत

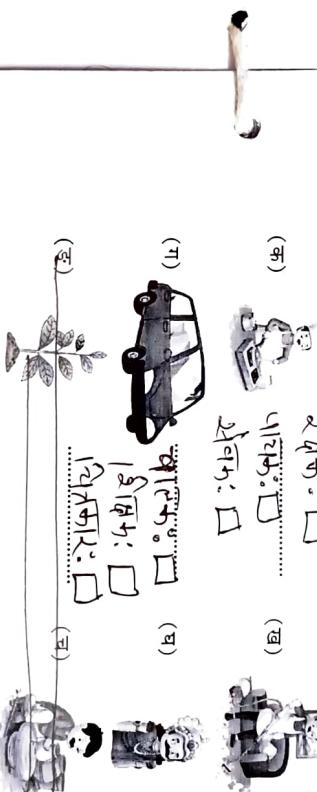
पार्श्वावाक्यम् (Oral)

तिथिवित्तम् (Written)

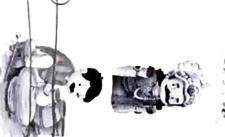
संविदि १५५५ युग्मा।

तिथिवित्तम्

1. चित्रों को देखकर अवेदन-चापा-सर्वकान्मैलिग्राहण। (Look at the pictures and write their names in Sanskrit.)



2. उत्तित मिलान कीर्तिग्राहण। (Match the following)



- कपोतः

- मौनः

- मर्दः

- मर्दशः

1. पुलिंग शब्द किसे कहते हैं?
2. अकारात पुलिंग शब्द किसे कहते हैं?
3. पैच अकारात पुलिंग शब्दों के नाम बताइए।

(क) आकारः
+ लिखत, लिखन चाहे। **आखिए और लोलिए** **Book**

- (ख) तथकः
- (ग) विकित्सकः
- (द) उद्ध्रः
- (च) हस्यः

- (स) सौमित्रः
- (अ) उद्धरः
- (उ) लिखतः
- (इ) लिखन चाहे।

- राशकः

- राशकः

- (स) सौमित्रः
- (अ) उद्धरः
- (उ) लिखतः
- (इ) लिखन चाहे।

मन्त्रः मतिर्भूष्यः प्रमन्त्रः स्वरूपः श्रवणः प्रमन्त्रः श्रवणः प्रमन्त्रः श्रवणः प्रमन्त्रः

नेमन्त्रः मतिर्भूष्यः प्रमन्त्रः स्वरूपः श्रवणः प्रमन्त्रः श्रवणः प्रमन्त्रः श्रवणः प्रमन्त्रः



पापका दृश्या



शाखा दृश्या



कपाटिका अहंमारी



मापिका भाष्मि



जवानका पट्टी



घटिका दृश्या



कोकिला कीचित्त



दाला शूला



पाज्ञालिका गोड्डा



मध्यका मेव्वरी



शाहिका राधी

कलिका राधी

कलिका राधी



शिला इंद्रिया

12

गोटना	= गेटी	पार्वता	= खाना चानां चालो
कपाटिका	= अहंमारी	निर्विद्युत्यका	= महिना डॉस्टर
दाला	= शूला	कूनमा	= चाचो
जवानिका	= पट्टा	गिला	= पथर

पार्वता	= खाना चानां चालो
निर्विद्युत्यका	= महिना डॉस्टर
कूनमा	= चाचो
गिला	= पथर

५३ भाष्याज्ञानम्

ऐसे शब्द जिनमें स्वीकृति का बोध हो, वे स्वीकृतिंशब्द कहलाते हैं और ऐसे स्वीकृतिंशब्द जिनके अंत में 'आ' स्वर की ध्वनि आती है, वे आकारात स्वीकृतिंशब्द कहलाते हैं; जैसे-



चालिका - च + आ + ल + इ + क + आ

५४ मौखिकम्(Oral)

- स्वीकृतिंशब्द किसे कहते हैं?
- आकारात स्वीकृतिंशब्द किसे कहते हैं?
- पूँछ आकारात स्वीकृतिंशब्दों के नाम बताइए।

+ श्रुत्या, लिखत, वदत च-

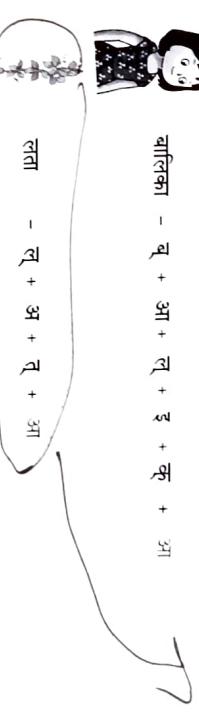
मध्यका

कपाटिका

जवानिका

जिल्हित्सिका

५५ अभ्यासं कुरुत



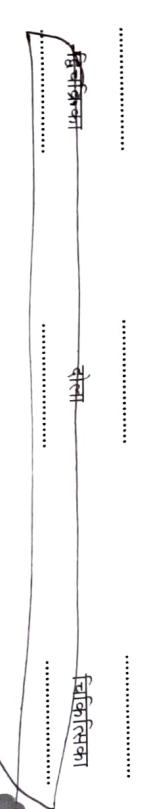
५६

जिल्हित्सिका

जवानिका

जिल्हित्सिका

जिल्हित्सिका



13

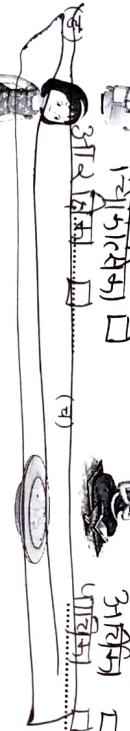
महात्मा गांधी की जीवनी

तैमूरः स्वप्रहः तेष्मात्म्यः मतिप्रहः तैमूरः स्वप्रहः महात्मा गांधी की जीवनी



1. विद्वों को देखकर उनके नाम मालवत में लिखिए। (Look at the pictures and write their names in Sanskrit.)

- (क) पाठ्यमा □
 (ख) आरण्यि □
 (ग) चोकोलिका □
 (द) प्राणिया □
 (ज) अर्थात्मा □
 (क) लिंगियास्यामा □
 (ख) अर्थमा □
 (ग) पाठ्यमा □



2. उचित मिलान कीजिए। (Match the following.)

- (क) • कौकिला



- (ख) • वाटिका



3. दिए गए शब्दों का अर्थ हिन्दी में लिखिए। (Write the meanings of the given words in Hindi.)
- | | |
|----------------------|---------------------|
| (क) आराधिका | (ख) मक्षिका |
| (ग) पाञ्चालिका | (ज) हिंस्किका |

4. दिए गए शब्दों के नाम मालवत में लिखिए। (Write the names of the given words in Sanskrit.)

- (क) पर्दा -
 (ख) साड़ी -
 (ग) चुला -

5. मन्दा में शब्दों को लेकर उचित स्थान पर लिखिए और अपने मरणों में स्थान कीजिए। (Write the words in the appropriate place by taking words from Help box and check with your peer.)



(क)

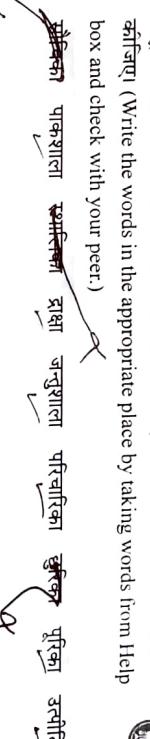
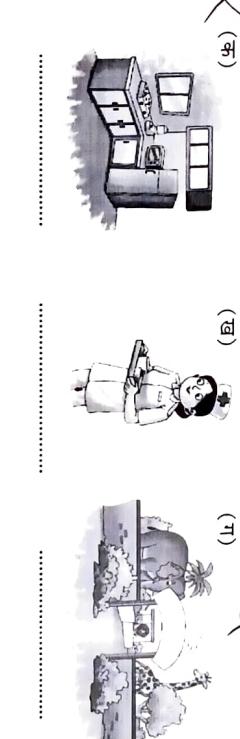
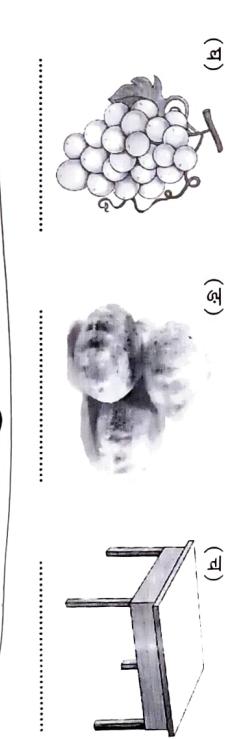
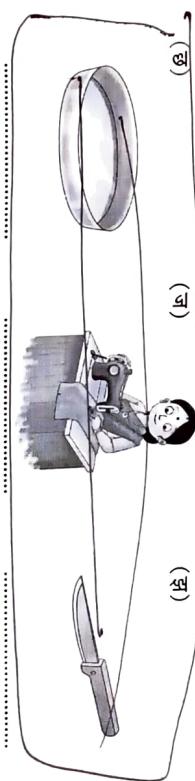


(ख)

(ग)

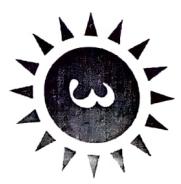


- (ख)
 (ग)
 (ज)
 (झ)



मन्त्री नाना सर्वोच्च स्वरूपः श्रीमत् रामेश्वरः
मन्त्री नाना सर्वोच्च स्वरूपः श्रीमत् रामेश्वरः

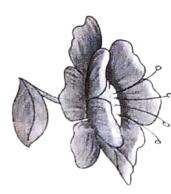
मन्त्री नाना सर्वोच्च स्वरूपः श्रीमत् रामेश्वरः
मन्त्री नाना सर्वोच्च स्वरूपः श्रीमत् रामेश्वरः



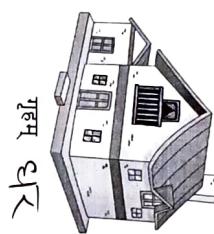
आकारान्त-नपुंसकलिङ्गाः (२५)

३१८१८ - नपुंसकालिङ्गाः शब्दाः

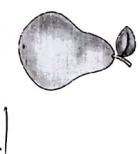
भावाकालः



पुष्पम् लूल



गृहम् घर



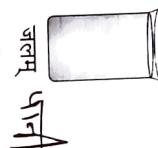
फलम् अम



ओदनम् नाना



वातायनम् वातायन



जलम् पानी



उपनेत्रम् नाना



अन्नम् अन्ना



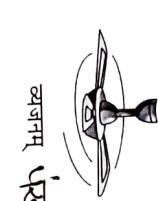
सापानम् शशि



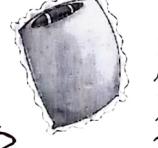
ओऽनकम् जिल्हा



पणम् बट्टा



व्यजनम् बूँदूरूना



छम् बूत्ता



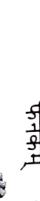
पदचाणम् छूत



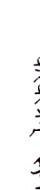
पणम् बट्टा



उपधनम् लिङ्गा



फेकम् शून्य



करवस्रम् खेला



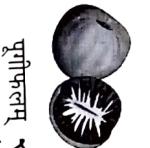
मुखम् भूत्ता



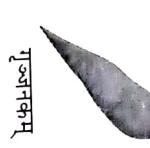
तुण्डम् तिन्मा



कडकम् गोद



पूर्णफलम् झुपार



गृजनकम् गाजुर



मूलकम् भूत्ता



झारम् दरबाना

कदलीफलम् गोद्धा

नारिकेलम् नारियल

उपधनम् लिङ्गा

फेकम् शून्य

करवस्रम् खेला



उपवनम् लिङ्गा

पुस्तकम् पुस्तक

वातायनम् वातायन

जलम् पानी

व्यजनम् बूँदूरूना

पणम् बट्टा



उपवनम् लिङ्गा

पुस्तकम् पुस्तक

वातायनम् वातायन

जलम् पानी

व्यजनम् बूँदूरूना

पणम् बट्टा



शब्द शास्त्रीय	
सोपनम्	= सोढ़ी
उपधानम्	= तांकिया
पर्णम्	= पत्ता
गृहम्	= घर
फेनकम्	= सवुन
पुणिफलम्	= सुपते
प्रज्ञनकम्	= गाजर
कावरम्	= रुमाल

भाषणात्म

ऐसे शब्द जिनसे न पुरुष जाति का बोध हो और न ही स्त्री जाति का बोध हो, वे शब्द नपुंसकतात्मक हहलाते हैं और ऐसे नपुंसकतात्मक शब्द जिनके अंत में 'अ' स्वर की ज्वन्ति आती है, वे अकारात्मक हहलाते हैं; जैसे-

फल - ए + अ + ल + अ

अभ्यास कुरुते

मौखिकम् (Oral)

- नपुंसकतात्मक शब्द किसे कहते हैं?
- अकारात्मक नपुंसकतात्मक शब्द किसे कहते हैं?
- पाँच अकारात्मक नपुंसकतात्मक शब्दों के नाम बताइए।

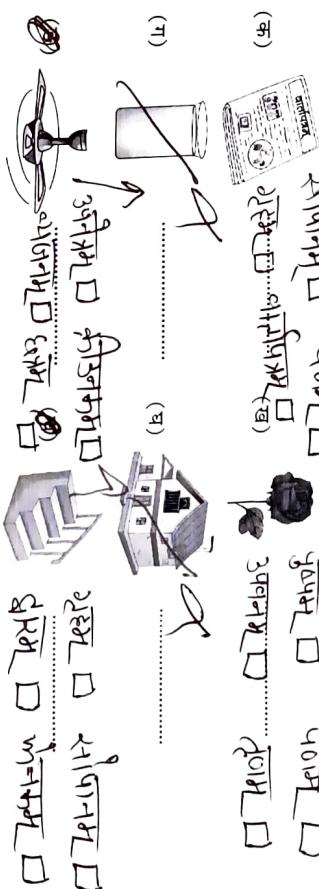
+ शून्या, लिखन, वरदन च-

- (क) उपधानम् (ख) फेनकम् (ग) कावरम् (घ) क्रीडनम्
 (ड) चापांवरम् (च) दूसराम् (छ) अन्नम् (ज) व्यजनम्



लिखितात्म (Written)

1. चित्रों को देखकर उनके नाम मार्गदर्शक में लिखिए। (Match the pictures with their names.)



2. उचित मिलान कीजिए। (Match the following.)



(क)



(ख)



(ग)



(घ)

• उपवस्त्रम्

• क्रीडनम्

• दूसराम्

• व्यजनम्

• पर्णम्

प्रथमः महिनोः पूर्णः स्वतंत्रः त्रिशमस्तुः महिनोः पूर्णः स्वतंत्रः त्रिशमस्तुः

प्रथमः महिनोः पूर्णः स्वतंत्रः त्रिशमस्तुः महिनोः पूर्णः स्वतंत्रः त्रिशमस्तुः

3. दिए गए शब्दों का अर्थ हिन्दी में लिखिए। (Write the meanings of the given words in Hindi)

- (क) बारीप्राम् (ख) कदलीफलम्
- (ग) छातम् (घ) छत्रम्

4. दिए गए शब्दों के नाम संस्कृत में लिखिए। (Write the names of the given words in Sanskrit.)

- (क) गाजर - (ख) मूत्ती -
- (ग) साबुत - (घ) रुमात -

5. मन्दू से याच को लेकर उचत स्थान पर लिखिए और अपने महापाठी से मिलान करो। (Write the words in the appropriate place by taking words from Help box and check with your peer.)

आमलकम् शूगफलम् कडकतम् स्वेदकम् मुख्यम् शिरसम् अस्त्राङ्गम् गृजनकम् उखकम्

(क)



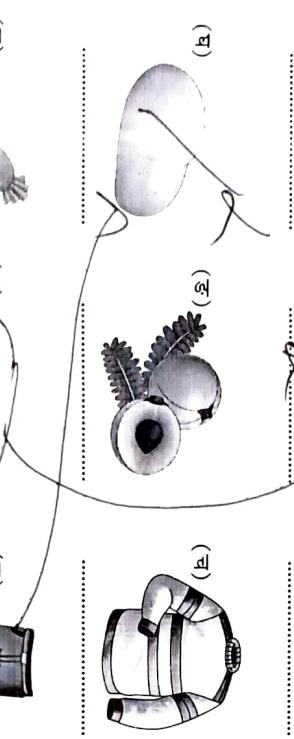
(ख)



(ग)



(घ)



बालः गच्छति।

बालम् बालात्।

बाला गच्छति।

यानन् गच्छति। बाहन् भानात्।

4

प्रथमः पूर्णः (उत्क्रवचनम्)

(१) उत्क्रवचनम्

(२) उत्क्रवचनम्

प्रथमः पूर्णः (उत्क्रवचनम्)



बालकः पतति। बालकै
बिस्तरै।

बालिका पतति। बालिकै
जिरती।

पतति। बालै। बालै।



एषः वदति। अहं बालिकै।

एष वदति। अहं बालिकै।

बालिकै।



एषः वदति। अहं बालिकै।

एष वदति। अहं बालिकै।

बालिकै।



एषः वदति। अहं बालिकै।

एष वदति। अहं बालिकै।

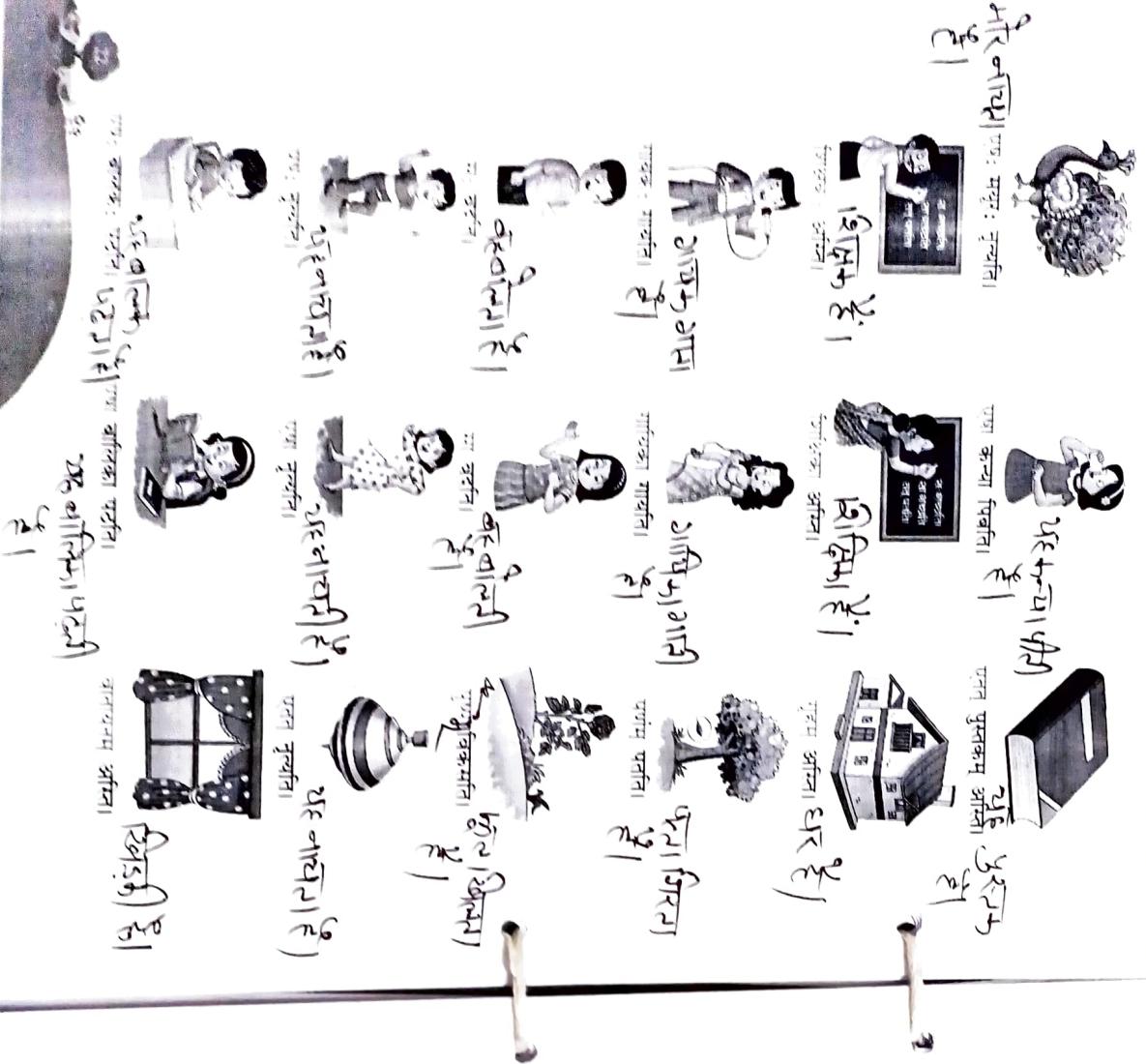
बालिकै।

बालम् बालात्।

बालै। बालै।

यानन् गच्छति। बाहन् भानात्।

प्रत्येक स्वरूपः अप्रत्येकः भवति: प्रत्यक्षः स्वरूपः अप्रत्येकः भवति: प्रत्यक्षः स्वरूपः अप्रत्येकः भवति:



त्रैमासः प्रत्येकः स्वरूपः अप्रत्येकः भवति: प्रत्यक्षः स्वरूपः अप्रत्येकः भवति: प्रत्यक्षः स्वरूपः अप्रत्येकः भवति:

शब्दार्थः	
= चर (पुरुषः)	= चर (स्त्रीलोकः)
= वह (स्त्रीलोकः)	= वह (नामाकरणः)
= वह (नामाकरणः)	= वह (पुरुषः)
= वह (पुरुषः)	= वह (स्त्रीलोकः)

माधवानाम्

मन्दृष्ट में तीन पुरुष होते हैं।

- प्रथम पुरुष - जिसके विषय में बात की जाए, वह प्रथम पुरुष अहमान है अर्थात् वार्णका मा. ता. एवं एषः स्त्री. एतद् इन्द्रादि गत प्रथम पुरुष के एकत्रित वर्णन के अन्ते के मध्य मर्दव उपर्युक्त एकवचन को लिया का प्रयोग होता है। अन्यथा पा. लो. का लोडे प्रथम नहीं पढ़ता। जैस-

पुरुषः



म: परानि।



मा: परानि।



न: लोनि।

अभ्यासं कुम्हत

मार्गिक्रमः (प्रातः)

1. मन्दृष्ट में किनने पुरुष हैं?

2. प्रथम पुरुष किसे कहते हैं?

3. प्रथम पुरुष के सामाजिक वैज्ञानिक विवरणः

(क.) वालकः (ख.) वालका
..... (ग.) मः (घ.) एषः
..... (ज.) परानि (झ.) चलनि

(इ.) मा (च.) एषः

(उ.) एषः (ऋ.) परानि

प्राप्ति: मतिः कृपा त्यः स्वप्नहः श्रमप्त्यः महिं कृपा प्राप्ति: प्राप्ति: प्राप्ति:

प्राप्ति: मतिः कृपा त्यः स्वप्नहः श्रमप्त्यः महिं कृपा प्राप्ति: प्राप्ति: प्राप्ति:

प्रीवं परस्मी भा। नीशान एगाइ।

प्रीवं परस्मी भा। नीशान एगाइ।

लिखि। *[Help]*

1. चित्रों के समन्वय से लिखिए। (Write the sentences in Sanskrit while looking at the pictures.)

(क) अः वदति।

(ख) वात्सः वृत्तेति।

(ग) एः बालकः पतति।

2. मास्कृत में लिखिए। (Translate into Sanskrit.)

(क) यह नोर नाचता है।

(ख) बालिका पढ़ती है।

(ग) ज्ञानार्थी है।

(घ) शिक्षक है।

(ङ) पाला मिलता है।

3. मन्त्रामें उन को लेकर इन स्थानों की पूर्ण कीजिए। (Fill in the blanks with the appropriate word from Help box.)

प्राप्ति: एत् एषा तुत्यति

- (क) एषः अस्ति।
- (ख) एषः अस्ति।
- (ग) एषः अस्ति।
- (घ) एषः अस्ति।

5. हिन्दी में अर्थ लिखिए। (Write the meaning in Hindi.)

(क) पुण्य विकसति।

(ख) एषः बालकः पतति।

(ग) एषा बालिका पतति।

(घ) मुष्मं भवति।

(ङ) सा वदति।

(च) एसः नुभवति।

4. उचित मिलान कीजिए। (Match the following.)

(क) बालकः पतति।

(ख) फलं पतति।

(ग) एः बालकः पतति।

(घ) एषा बालिका पतति।

(ङ) ज्ञानार्थी अस्ति।

(च) बालिका पतति।

5. हिन्दी में अर्थ लिखिए। (Write the meaning in Hindi.)

(क) पुण्य विकसति।

(ख) एषः बालकः पतति।

(ग) एषा बालिका पतति।

(घ) मुष्मं भवति।

(ङ) सा वदति।

(च) एसः नुभवति।

मातृसंघः महिला संघः श्रमिक संघः प्राप्ति संघः वैश्वानर संघः वैश्वानर संघः

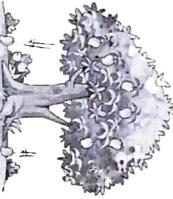


प्रथमः पुरुषः (द्विवचनम्)

ज्ञानवोध



वालनः पततः दी बाल्मीयो हैं। पतते पततः दी लालो हैं।



वालिकं पततः दी बाल्मीयो हैं।



वालिकं पततः दी बाल्मीयो हैं।



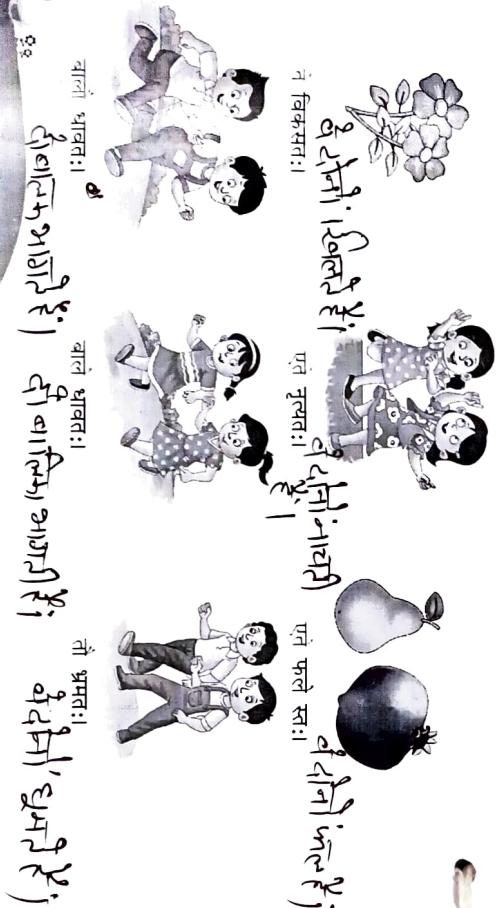
पततः दी बाल्मीयो हैं।



पततः दी बाल्मीयो हैं।



वालनः पततः दी बाल्मीयो हैं।



वालों धावतः दी लालो आग्नी हैं। दी बालिमा आग्नी हैं। तो भ्रमतः दी लालो धूम्रो हैं।

तेमत्संघः महिला संघः श्रमिक संघः प्राप्ति संघः वैश्वानर संघः वैश्वानर संघः



पततः दी लालो धूम्रो हैं।



तेमतः दी लालो धूम्रो हैं।



तेमतः दी लालो धूम्रो हैं।



तेमतः दी लालो धूम्रो हैं।



तेमतः दी लालो धूम्रो हैं।

महिले चलताः दी लालो धूम्रो हैं।

महिले चलताः दी लालो धूम्रो हैं।



पततः दी लालो धूम्रो हैं।



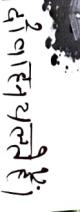
पततः दी लालो धूम्रो हैं।



पततः दी लालो धूम्रो हैं।



पततः दी लालो धूम्रो हैं।



महिले चलताः दी लालो धूम्रो हैं।

महिले चलताः दी लालो धूम्रो हैं।



पततः दी लालो धूम्रो हैं।



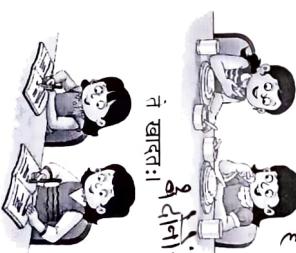
पततः दी लालो धूम्रो हैं।



पततः दी लालो धूम्रो हैं।



पततः दी लालो धूम्रो हैं।



पततः दी लालो धूम्रो हैं।

पततः दी लालो धूम्रो हैं।

पततः दी लालो धूम्रो हैं।



स्त्री चलताः दी लालो धूम्रो हैं।

वालिके लिखतः दी लालो धूम्रो हैं।

वालिके लिखतः दी लालो धूम्रो हैं।

वालिके लिखतः दी लालो धूम्रो हैं।

प्राप्ति: महर्षिः पृथुः स्वर्गहः ते श्रमात्मः महर्षिः क्रीष्णः पृथुः स्वर्गहः महर्षिः प्राप्ति: श्रद्धा पृथुः स्वर्गहः महर्षिः प्राप्ति: श्रद्धा पृथुः स्वर्गहः महर्षिः प्राप्ति: श्रद्धा पृथुः स्वर्गहः महर्षिः प्राप्ति: श्रद्धा

ते महर्षिः पृथुः स्वर्गहः ते श्रमात्मः महर्षिः क्रीष्णः पृथुः स्वर्गहः महर्षिः प्राप्ति: श्रद्धा पृथुः स्वर्गहः महर्षिः प्राप्ति: श्रद्धा पृथुः स्वर्गहः महर्षिः प्राप्ति: श्रद्धा

शब्दान्वयन	
तो	= चे दोनों (पुलिंग)
ते	= चे दोनों (स्त्रीलिंग)
तं	= चे दोनों (नुसंकलिंग)
यात्:	= खाते हैं
स्तः	= नहीं
वाहने	= दो वाहन

लज्जने = दो पढ़े

एतो = चे दोनों (पुलिंग)

एत = चे दोनों (स्त्रीलिंग)

ऐतिहासिकता: = चे दोनों (नुसंकलिंग)

तिथत: = लिखते हैं

हसत: = हँसते हैं



शब्दान्वयन

बालकों, बालिका, तो, ते, एतो, एते इत्यादि शब्द प्रथम पुरुष के द्विवचन के कर्ता हैं। प्रथम पुरुष के कर्ता हैं। प्रथम पुरुष के द्विवचन के कर्ता हैं। क्रियाद पद लिंग का कोई प्रभाव नहीं पड़ता; जैसे-

पुलिंग

स्त्रीलिंग

नुसंकलिंग



तो पततः!



ते पततः!



ते पततः!

3. मध्यासंकुरुत
- मध्यासंकुरुत से शब्दों को लेकर विक्र स्थानों की पूर्ति कर्मानि। (Fill in the blanks with the appropriate word from Help box.)



गोषिकन् (Oral)

1. संस्कृत में किनसे वचन हैं?

2. द्विवचन किसे कहते हैं?

3. प्रथम-पुरुष-किनमन-के कर्ता का प्रयोग करके चालाय बनाइए।

- (क) अलका (ख) अलिंग
 (द) एतो (च) एते (ज) पक्षी
 (घ) तो (घ) ते

2. संक्लन में अनुवात कर्मानि। (Translate into Sanskrit.)
- (क) दो फूल खिलते हैं।
 (ख) दो लड़कों घूमते हैं।
 (ग) दो लड़कियाँ नाचती हैं।
 (घ) दो पत्ते गिरते हैं।
 (ङ) दो लड़कियाँ घूमती हैं।
 (च) से लड़के चौड़ते हैं।

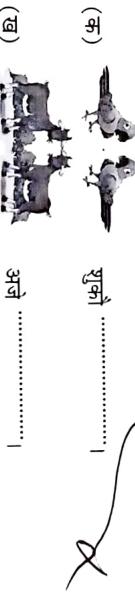


गोषिकन्

चातः, चाततः, लक्षणे गच्छतः:



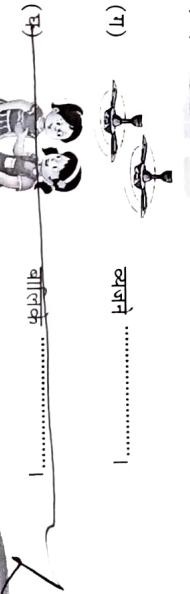
शुक्रो



अजे



क्षजने



बालके

गोषिकन् पर सही को निशान लगाओ।



गोषिकन्



गोषिकन्

1. विष देखकर मध्यासे चाक्ष्य लिन्निता। (Write the sentences in Sanskrit below.)

looking at the pictures.)

गोषिकी हसति।

गोषिकी रातिरि।

गोषिकी उत्तिरि।

गोषिकी उत्तिरि।

गोषिकी उत्तिरि।

गोषिकी उत्तिरि।

28

29

प्रस्तुः नवाहः श्रमन्तः गतिः प्रस्तुः स्वास्थ्यः श्रमन्तः प्रस्तुः नवाहः श्रमन्तः प्रस्तुः

प्रस्तुः नवाहः श्रमन्तः प्रस्तुः स्वास्थ्यः श्रमन्तः प्रस्तुः नवाहः श्रमन्तः प्रस्तुः

4. उचित मिलान कीजिए। (Match the followings.)



(क)

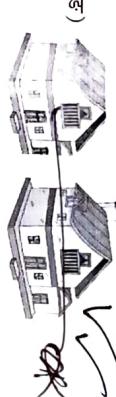
- तो क्रीड़तः।



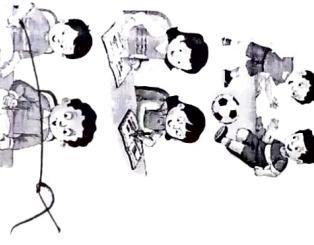
(ख)

(ग)

(घ)



(इ)



5. हिंदी में लिखिए। (Write the meaning in Hindi.)

(क) पुण्य विकसनि।

(ख) चटके कूजताः।

(ग) केतापनि मर्जनः।
(घ) एते कर्मतः।
(ङ) एते नमतः।
(च) कर्मन्तः स्तुतः।

- गृहे स्तुतः।
- ते खादयः।
- बालिके लिखतः।
- कर्मनो सिस्तवतः।



प्रथमः पुरुषः

(बहुवचनम्)



बालकः पातिना

लालिभा

जिरी हैं।

बालकः पातिना

अमेक्षलालिभा

जिरी हैं।

फलानि

पातिना

उभोऽपल गिरी हैं।



गच्छन्ति।

स्वर जाती हैं।



पृष्ठा पठति

पट्टनी हैं।

एते पठति

पट्टनी हैं।

एते पठति

पठ्टनी हैं।

प्रतिनि

पठ्टनी हैं।

एतानि प्रतिनि पठति

पठ्टनी हैं।



तानि

पुण्याणि

विकसनी

हैं।



तानि

गच्छन्ति।

स्वर जाती हैं।

हैं।

आराधका: गच्छन्ति।

एताना गच्छन्ति हैं।

वाहना: गच्छन्ति हैं।



31

प्रत्यक्षः स्वामृदः रथः अमर्त्यः मत्प्रियः पूर्णः स्वामृदः रथः

प्रत्यक्षः स्वामृदः रथः अमर्त्यः मत्प्रियः पूर्णः स्वामृदः रथः



मृते लौटी है। यह चढ़ना।
कांकिला: चलना। पौष्टि तीव्र वासा: कूर्दिना घंटर इन्हें।
तजनानि चलासा फूँ न जलते हैं।

मनः	=	है	मानान्	= ये सब (न्युसकलिंग)
पादः	=	ये सब (न्युसकलिंग)	पान्तः	= चमत्र हैं
पाता:	=	वे सब (स्त्रीलिंग)	तिरवृत्तन	= तिरवृत्त हैं
ता:	=	वे सब (स्त्रीलिंग)	चढ़ान्	= चालते हैं
ते	=	वे सब (पुरुलिंग)		

पैर छड़ी हैं। कर्दिना।

बालका: बालिका: ते, ता: एता: एतानि, तानि इत्यादि शब्द प्रथम पुरुष के बहुवचन के कर्ता हैं। प्रथम पुरुष के बहुवचन के कर्ता के साथ सदैव प्रथम पुरुष बहुवचन को क्रिया का प्रयोग होता है। कियापद पर लिंग का कोई प्रभाव नहीं पड़ता; जैसे-
पुलिंग



ते पतिनि।



ता: पतिनि।



नायुमकलिंग
नानि पतिनि।



प्रावधारणा



पूर्णिमा भैरवी है।
गायका: गायत्री गायिका: गायत्री।

एता: लिखनी धूप तालि इन्हें।

प्रावधारणा

अध्यामं कुरुते



शिव: वरदना। नतका: नृथिता। नर्तकी नाची है।
गायका: गायत्री। गायिका: गायत्री। गायका: गायत्री। गायिका: गायत्री।

1. 'बालका:' शब्द में कौन-सा वचन है?
2. 'बालिका:' शब्द में कौन-सा वचन है?
3. प्रथम पुरुष बहुवचन के कर्ता का प्रयोग करके वाक्य बनाइए-
- (क) लस्तनि (ख) प्रस्तनि (ग) वास्तनाः (घ) लस्तिनाः (द) ते
(च) ता: (छ) ता: (ज) एता: (झ) एतनि (ज) एतनि

प्रावधारणा

प्रावधारणा



मन्त्रः मतिष्ठः प्रभूः श्वस्त्रः श्वस्त्रः श्वस्त्रः प्रभूः श्वस्त्रः श्वस्त्रः

नमः त्र्यः मतिष्ठः प्रभूः श्वस्त्रः श्वस्त्रः श्वस्त्रः प्रभूः श्वस्त्रः श्वस्त्रः प्रभूः श्वस्त्रः श्वस्त्रः



मन्त्रः स्वस्त्रः श्वस्त्रः प्रभूः श्वस्त्रः

1. चित्र देखे और मन्त्रमें अक्षर लिखिए। (Write the sentences in Sanskrit while looking at the pictures.)

(क) उपोति निष्टानि ॥
एवं अलमिपतिष्ठ ॥

(ख) गत्या: पतिष्ठा ॥
गत्या: हस्ती ॥

(ग) गात्रिः त्रयी ॥
गात्रिः त्रयी ॥

2. मन्त्रः अनुवात कीजिए। (Translate into Sanskrit.)

(क) तों बोलते हैं।

.....

(ख) हाथों बोलते हैं।

.....

(ग) पृथुं चलते हैं।

.....

(घ) मीठों चलती हैं।

.....

(ङ) कांयों बोलती हैं।

.....

3. मन्त्र में जन्मों को लेकर इन स्थानों की पृष्ठि कीजिए। (Fill in the blanks with the appropriate word from Help box.)

बालिका, बदनि, पतिति, मूर्मिति

5. हिंदी में अर्थ लिखिए। (Write the meaning in Hindi.)

(क) सिद्धिका: बदनि।

.....

(ख) ता: बालिका: तरनि।

.....

(ग) मीना: तरनि।

.....

(घ) युवका: भ्रमन्ति।

.....

(ङ) बालिका: त्रयनि।

.....

4. उच्चत प्रिलान कीजिए। (Match the following.)



पते बालिका:

(क)



• अश्वा: धावनि।

(ख)



• वानरा: कृदन्ति।

(ग)



• मूर्मिका: खादना।

(घ)



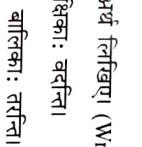
• ते कृदन्ति।

(ङ)



• ता: कृदन्ति।

(ज)



.....

(क) ता: तरनि।

.....

(ख) तानि पत्राणि।

.....

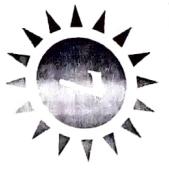
(ग) ते बालिका:।

.....

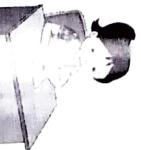


मद्यामः पुरुषः

भूमि पुरुष
(उक्कवचनम्)



तुम पढ़ते हो।
त्वं पठसा।



तुम लिखते हो।
त्वं लिखसा।



त्वं चलसा।

तुम पढ़ते हो।
त्वं पठसा।



त्वं ध्रमसा।

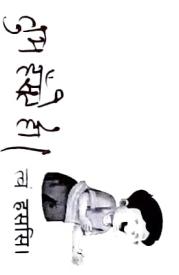
तुम ध्रमते हो।
त्वं ध्रमसा।

तुम धरते हो।
त्वं धरसा।



त्वं धरसा।

तुम धरते हो।
त्वं धरसा।



तुम हसते हो।
त्वं हससा।



तुम आगते हो।
त्वं खडसा।



तुम आगते हो।
त्वं खडसा।



तुम आगते हो।
त्वं खडसा।



त्वं खडसा।

तुम आगते हो।
त्वं खडसा।



त्वं खडसा।

तुम आगते हो।
त्वं खडसा।



तुम हसते हो।
त्वं हससा।



तुम आगते हो।
त्वं खडसा।



तुम आगते हो।
त्वं खडसा।



तुम आगते हो।
त्वं खडसा।



त्वं खडसा।

तुम आगते हो।
त्वं खडसा।



त्वं खडसा।

तुम आगते हो।
त्वं खडसा।



प्राचीन महाकाव्य प्रमुखः स्वप्नः श्रेष्ठः प्रमुखः स्वप्नः प्रमुखः

त्रैमात्रिक प्रमुखः स्वप्नः श्रेष्ठः प्रमुखः स्वप्नः प्रमुखः

लिखितम् (Written)

२) दोषा लाभा युनिं।

1. चित्र देखकर संस्कृत में सामाजिक लिखितम् (Write the sentences in Sanskrit while looking at the pictures.)

(क) एवं प्राप्तिः ॥
एवं प्राप्तिः ॥
एवं प्राप्तिः ॥

(द) एवं वदति ॥
एवं वदति ॥
एवं वदति ॥

(ग) एवं विश्वामि ॥
एवं विश्वामि ॥
एवं विश्वामि ॥

(घ) एवं वदति ॥
एवं वदति ॥
एवं वदति ॥

(च) एवं वदति ॥
एवं वदति ॥
एवं वदति ॥

लिखितम्
मध्यम पुरुष - मध्यमे वाला अर्थात्, जिसमें बात को जाए, वह मध्यम पुरुष का कर्ता कहलाता है। 'वृद्ध' यह मध्यम पुरुष, एकवचन का कर्ता है, जिसका प्रयोग दोनों लिंगों में समान रूप से किया जाता है। मध्यम पुरुष के एकवचन के कर्ता के साथ मध्यम पुरुष एकवचन की क्रिया का प्रयोग किया जाता है: जैसे-

स्मोलिट्टिः

लं परमि।



3. विक्षण स्थानों को पूर्ण करान्नजए। (Fill in the blanks.)

(क)

लं ।

(ख)

लं ।

(ग)

लं ।



यात्रिकम् (Oral)

- मध्यम पुरुष के एकवचन के कर्ता का प्रयोग कराके वाक्य बनाइए।

- ५ श्रुता नवन, वरदन या-
(क) लम् (ख) परमि (ग) वरदमि (घ) तिर्यक्ति
(ड) उम् (च) अमि (छ) भ्रमिमि (ज) लभिमि
.....



मध्यमः पुरुषः

मुद्धन
मुद्धन
(द्विलालन)
(द्विलालन)



४. उच्च-उत्तम कोना? (Match the followings.)
- (अ)
- न खेलसा
- (ब)
- न शावसा
- (ग)
- न रुत्यसि
- (घ)
- न पश्यसि
- (ज)
- न जादसि।

५. हिंदी = अंगे लिखिया? (Write the meaning in Hindi.)
- (क) न गायसि।
.....
.....
.....
- (ख) न पचनि।
.....
.....
.....
- (ग) न कांसि।
.....
.....
.....
- (घ) न भ्रमि।
.....
.....
.....
- (ज) न तिक्कमि।
.....
.....
.....

- तुम दोनों गांठ चुवा गायथः।
- तुम दोनों नातलि चुवा रुत्यथः।
- तुम दोनों नातलि चुवा पश्यथः।
- तुम दोनों नातलि चुवा नृत्ययः।
- तुम दोनों नातलि चुवा स्थः। तुम दोनों हाथ
भ्रातृत्वं।
- तुम दोनों गांठ चुवा पचथः।
- तुम दोनों गांठ चुवा ध्रवथः। तुम दोनों अण्णि
हाथ।

पंखः स्वेहः श्रमत्यः मतिक्षः प्राप्त्यः श्वसनः

पंखः स्वेहः श्रमत्यः मतिक्षः प्राप्त्यः श्वसनः



६५ शब्दार्थः	
यूनोः	= तुम दोनों
कर्तव्यः	= (तुम दोनों) करते हो
पाठ्यः	= (तुम दोनों) गते हो
क्रोड़थः	= (तुम दोनों) खेलते हो
	= (तुम दोनों) जहान दो
	= (तुम दोनों) लिखते हो
	= (तुम दोनों) हसते हो
	= (तुम दोनों) चढ़ते हो

‘पुर्णा’ शब्द मध्यम पुरुष द्विवचन का कर्ता है, जिसका प्रयोग दोनों लिंगों में मानव द्वारा में किया जाता है। मध्यम पुरुष के द्विवचन के कर्ता के साथ मध्यम पुरुष द्विवचन की क्रिया का प्रयोग किया जाता है; जैसे-

पुर्णिलङ्घः।

युवा पठथः।

युवा पठथः।

युवा पठथः।

अध्यात्म कुण्ठ



मोहिकम्(Oral)

• मध्यम पुरुष द्विवचन के कर्ता का प्रयोग करके वाक्य बायाएः।

‡ श्रुत्वा, लिखत, चरत च-

(ख) पठथः

(ग) चरथः

(घ) खारथः

(क) युवाम्

.....

.....

.....

-(ङ) लिखथः

.....

.....

.....

लिखितम्(Written)

1. चित्र देखकर संख्यान में चारों लिखिए। (Write the sentences in Sanskrit while looking at the pictures.)

पुर्णाम् प्रश्नाथः। □
पुर्णाम् मित्राः। □
पुर्णाम् दानाः। □

दानाः खारथः।
पुर्णा दीनोऽल्पा है।
युवा धारथः।
पुर्णा दीनोऽल्पा है।
युवा चलथः।
पुर्णा दीनोऽल्पा है।
युवा क्रीडथः।
पुर्णा दीनोऽल्पा है।
युवा क्रीडथः।
पुर्णा दीनोऽल्पा है।
युवा क्रीडथः।
पुर्णा दीनोऽल्पा है।
युवा क्रीडथः।



दानाः खारथः।
पुर्णा दीनोऽल्पा है।
युवा धारथः।

मन्त्रः सत्यः प्रसादः स्वरूपः रेशमान्त्रः महर्षिः प्रसादः प्रसादः स्वरूपः रेशमान्त्रः

मन्त्रः सत्यः प्रसादः महर्षिः प्रसादः स्वरूपः रेशमान्त्रः

मन्त्रः सत्यः प्रसादः स्वरूपः रेशमान्त्रः महर्षिः प्रसादः प्रसादः स्वरूपः रेशमान्त्रः

मन्त्रः सत्यः प्रसादः स्वरूपः रेशमान्त्रः महर्षिः प्रसादः प्रसादः स्वरूपः रेशमान्त्रः

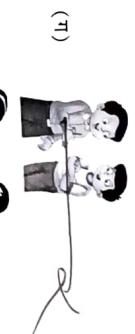
मन्त्रः सत्यः प्रसादः स्वरूपः रेशमान्त्रः महर्षिः प्रसादः प्रसादः स्वरूपः रेशमान्त्रः

मन्त्रः सत्यः प्रसादः स्वरूपः रेशमान्त्रः महर्षिः प्रसादः प्रसादः स्वरूपः रेशमान्त्रः



प्रोक्तं गृह्णामः। □
पुणो निवाथः। □

पुणो निवाथः। □
पुणो निवाथः। □



..... क्रांतिः।
..... दर्शनः।



(ग) पुणो निवाथः। □
पुणो निवाथः। □

पुणो निवाथः। □
पुणो निवाथः। □



..... क्रांतिः।
..... दर्शनः।



(द) पुणो निवाथः। □
पुणो निवाथः। □

पुणो निवाथः। □
पुणो निवाथः। □



..... क्रांतिः।
..... दर्शनः।

2.

मात्रान् अनुवाद कोरिए। (Translate into Sanskrit.)

(क) तुम दोनों लिखती हो।

.....
.....
.....
.....

(ख) तुम दोनों गाती हो।

.....
.....
.....
.....

(ग) तुम दोनों पढ़ते हो।

.....
.....
.....
.....

(घ) तुम दोनों हँसती हो।

.....
.....
.....
.....

5. हिंदी में अर्थ लिखिए। (Write the meaning in Hindi.)

(क) युवा स्थाः।

.....
.....
.....
.....

(ख) युवा पिवथः।

.....
.....
.....
.....

(ग) युवा परथः।

.....
.....
.....
.....

(घ) युवा नृथः।

.....
.....
.....
.....

(ङ) युवा गच्छन्ते

.....
.....
.....
.....

3.

रिक्त स्थान को पूर्ण करिए। (Fill in the blanks.)

युवा।

.....
.....
.....
.....

4.

अधिकतम सिलान कोरिए। (Match the following.)



• युवा नृथः।
• युवा गच्छयः।



• युवा नृथः।
• युवा गच्छयः।



• युवा नृथः।
• युवा गच्छयः।



• युवा नृथः।
• युवा गच्छयः।



• युवा नृथः।
• युवा गच्छयः।



• युवा नृथः।
• युवा गच्छयः।



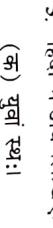
• युवा नृथः।
• युवा गच्छयः।



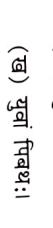
• युवा नृथः।
• युवा गच्छयः।



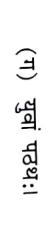
• युवा नृथः।
• युवा गच्छयः।



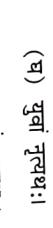
• युवा नृथः।
• युवा गच्छयः।



• युवा नृथः।
• युवा गच्छयः।



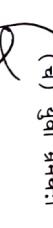
• युवा नृथः।
• युवा गच्छयः।



• युवा नृथः।
• युवा गच्छयः।



• युवा नृथः।
• युवा गच्छयः।



• युवा नृथः।
• युवा गच्छयः।



• युवा नृथः।
• युवा गच्छयः।

मत्पः प्रभातः स्वः स्वामः तपः प्रभातः स्वः स्वामः

तपः प्रभातः स्वः स्वामः तपः प्रभातः स्वः स्वामः

महाप्रभुरुष महायमः पुरुषः

(विवरण)

(बहुवचनम्)



तुम खेल रहे हों।
यूः चलथा

तुम खेल रहे हों।
यूः चलथा

तुम खेल रहे हों।
यूः लिखथा



तुम खेल रहे हों।
यूः चलथा

तुम खेल रहे हों।
यूः चलथा

तुम खेल रहे हों।
यूः लिखथा



तुम खेल रहे हों।
यूः चलथा

तुम खेल रहे हों।
यूः चलथा

तुम खेल रहे हों।
यूः लिखथा



तुम खेल रहे हों।
यूः चलथा

तुम खेल रहे हों।
यूः चलथा

तुम खेल रहे हों।
यूः लिखथा

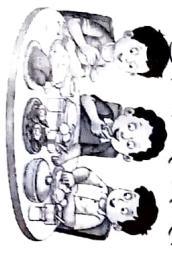


क्रीड़ा

तुम खेल रहे हों।
यूः खादथा

तुम खेल रहे हों।
यूः खादथा

तुम खेल रहे हों।
यूः खादथा



तुम खेल रहे हों।
यूः खादथा



तुम खेल रहे हों।
यूः खादथा



तुम खेल रहे हों।
यूः खादथा



यूः खादथा

तुम खेल रहे हों।
यूः खादथा



तुम खेल रहे हों।
यूः खादथा



तुम खेल रहे हों।
यूः खादथा



तुम खेल रहे हों।
यूः खादथा

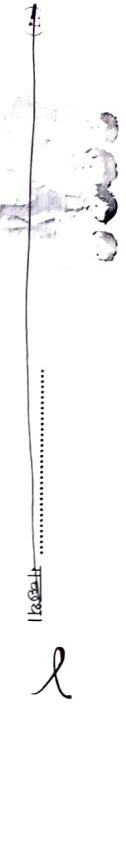
तुम खेल रहे हों।
यूः खादथा

तुम खेल रहे हों।
यूः खादथा



गीता विज्ञान

३ अग्ररी भल कुट्टे (केवल पट्टनाम)



(अ) अग्ररी भल कुट्टे



(अ)



(अ)



(अ)



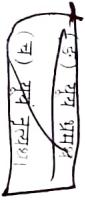
(अ)

(अ) अग्ररी भल कुट्टे

(ब) अग्ररी भल कुट्टे

(च) अग्ररी भल कुट्टे

(द) अग्ररी भल कुट्टे



(ए) अग्ररी भल कुट्टे

(फ) अग्ररी भल कुट्टे

(ग) अग्ररी भल कुट्टे

(ह) अग्ररी भल कुट्टे

(ज) अग्ररी भल कुट्टे

मूरा: तरु अड्डोकृतवन्न! तरु: आरथ प्रतिदिनं क्रमेण ॥ १ ॥
स्मा भासुरकः तं खादति स्मा अन्ये मूरा: निर्भयम् ॥ २ ॥
कराचित क्रमेण केनाचित शशकेन भासुरकस्य आहंसनप्या ॥ ३ ॥
दुखेन सिंहसमीप प्रस्थितवान मारो एक: कूपः आस्मि ॥ ४ ॥
स्मादेव शशकः स्माय

प्रेषधिग्यामः। भवान तं मूरा खाद्वा। अन्यान मूरान वा वा ॥ ५ ॥

एकः भासुरकः नम सिंहः। वस्ति मा मः अर्तिव वा वा ॥ ६ ॥
मूरा विना कारणं मात्रयति मा ॥ ७ ॥

अद्विष्टः। एक ते माः।
मारणेन भवेः कः लाभः?

एकस्य एव मूरास्य खदनेन
भवतः उदरं पूर्णं भवति

किल? अतः अव्य आरथ
भवतः आहाराधं प्रतिदिनम्

एकं मूरा वयम् वा

प्रेषधिग्यामः। भवान तं मूरा खाद्वा। अन्यान मूरान वा वा ॥ ८ ॥



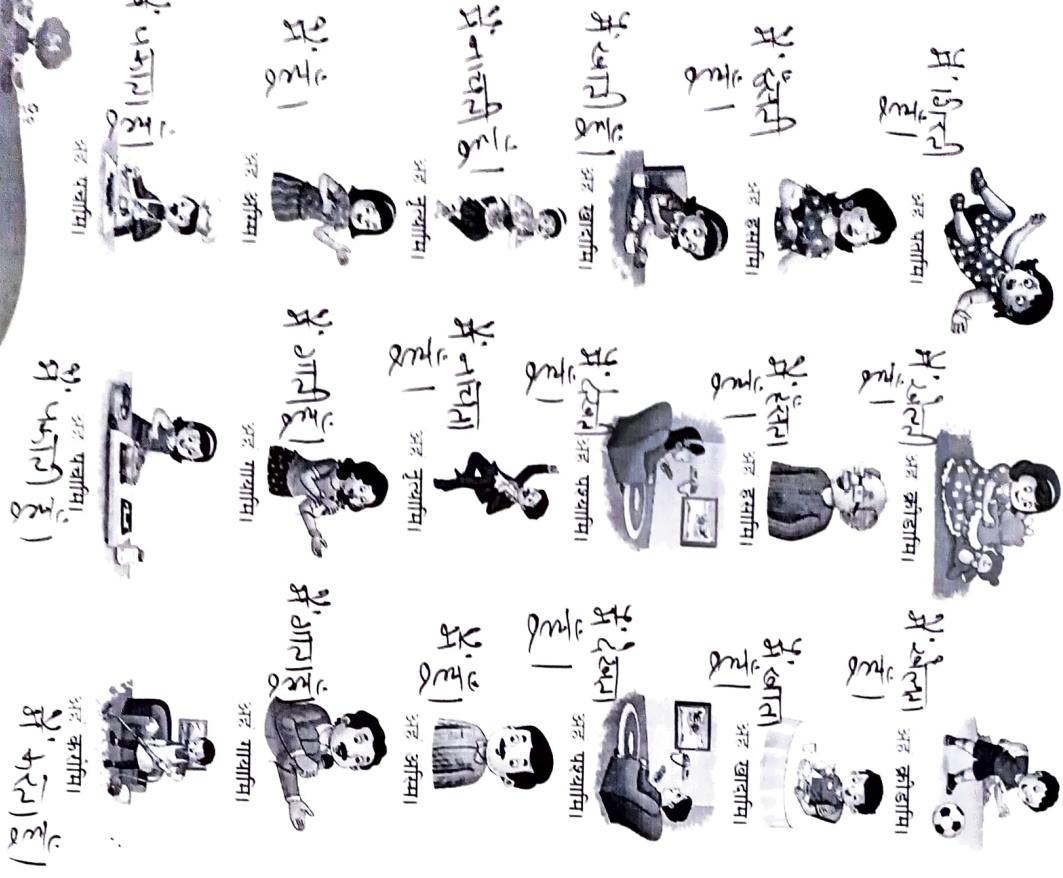
(अ) अग्ररी भल कुट्टे



(अ)

प्रत्यक्ष वाक्यों के अनुवान

प्रत्यक्ष वाक्यों के अनुवान



- (अ) सिर्जन
(ब) खेलना
(स) खेलना
(द) खेलना
(५) अंडा
(६) अंडा
(७) अंडा
(८) अंडा
(९) अंडा
(१०) अंडा
(११) अंडा
(१२) अंडा
(१३) अंडा
(१४) अंडा
(१५) अंडा
• प्रथम पृष्ठ के उपर्युक्त वाक्यों के कठोरों का प्रयोग करके वाक्य बनाओ।

मीषिकीय (१०वा)



अध्यास क्रिया



प्रारंभिक:

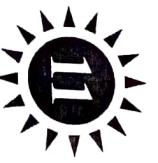
प्रथम पृष्ठ के उपर्युक्त वाक्यों के कठोरों का प्रयोग करके वाक्य बनाओ। इन वाक्यों के अनुवान लिखना चाहते हैं। इन वाक्यों के अनुवान लिखना चाहते हैं।

प्रारंभिक

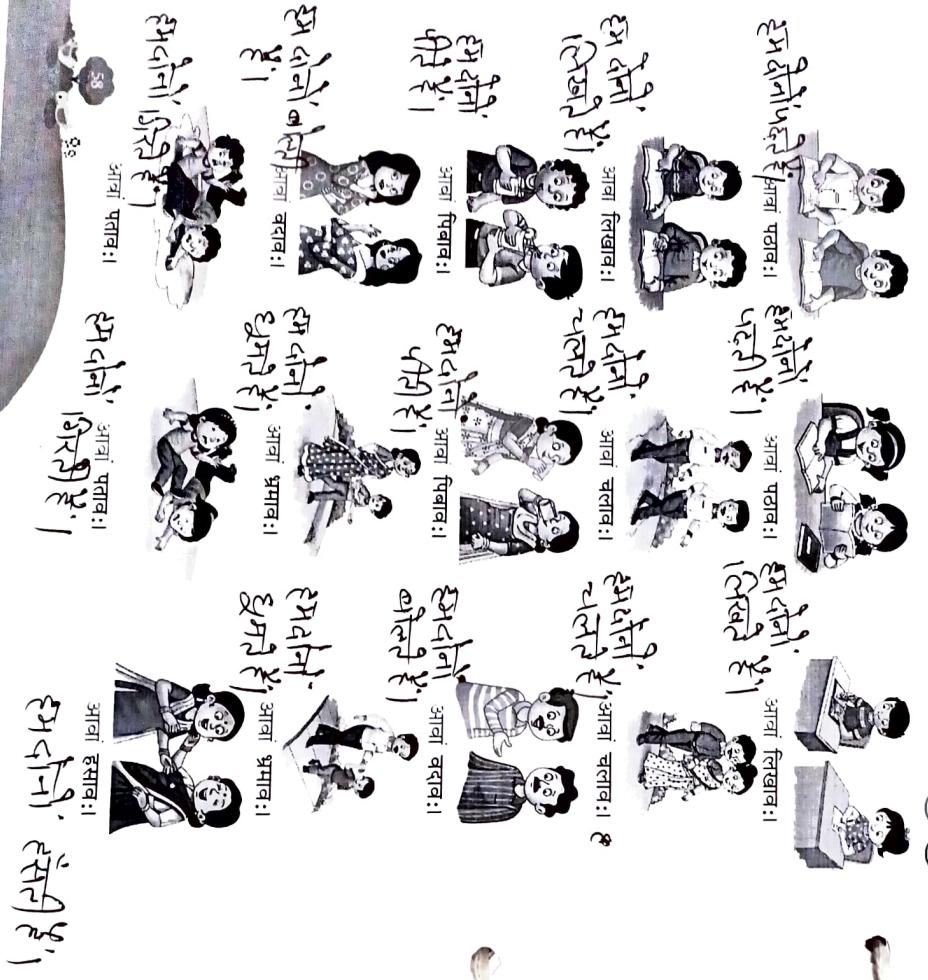
प्रारंभिक	=	प्रारंभिक

प्रातः स्वस्थः वश्यम् त्वः मतिष्ठः प्रातः स्वस्थः मतिष्ठः प्रातः स्वस्थः मतिष्ठः

प्रातः स्वस्थः मतिष्ठः प्रातः स्वस्थः मतिष्ठः प्रातः स्वस्थः मतिष्ठः प्रातः स्वस्थः मतिष्ठः



३८८ पुलष उत्तमः पुरुषः (द्विवचनम्)



मः॒ष्टः॑ महि॒क्षः॑ प्र॒त्यः॑ त्व॒र्थः॑ श्र॒महः॑ व॒श्रम॒त्यः॑ म॒त्प्रथः॑ कृ॒ष्ण॑ प्र॒त्यः॑ स्व॒र्थः॑ श्र॒महः॑ प्र॒प्रथः॑

तेम॒ष्टः॑ मत्प्र॒थः॑ कृ॒ष्ण॑ प्र॒त्यः॑ त्व॒र्थः॑ श्र॒महः॑ व॒श्रम॒त्यः॑ म॒त्प्रथः॑ श्र॒महः॑ प्र॒प्रथः॑ श्र॒महः॑ प्र॒त्यः॑ स्व॒र्थः॑ श्र॒महः॑ प्र॒प्रथः॑

शब्दार्थः

आवाम्	= हम दोनों	भगवः	= (हम दोनों) सूझते हैं
पठावः	= (हम दोनों) पढ़ते हैं	तिखावः	= (हम दोनों) लिखते हैं
नयावः	= (हम दोनों) ते जाते हैं	खेलावः	= (हम दोनों) खेलते हैं
नारावः	= (हम दोनों) तैरते हैं	चलावः	= (हम दोनों) चलते हैं
हसावः	= (हम दोनों) हँसते हैं	खः	= (हम दोनों) हैं
बदावः	= (हम दोनों) बोलते हैं	खादावः	= (हम दोनों) खाते हैं

भाषाज्ञानम्

'आवाम्' शब्द उत्तम पुरुष द्विवचन का कर्ता है, जिसका प्रयोग दोनों लिंगों में समान रूप से किया जाता है। उत्तम पुरुष के द्विवचन के कर्ता के साथ उत्तम पुरुष द्विवचन की क्रिया का प्रयोग किया जाता है; जैसे-

पूर्वलिङ्गाः



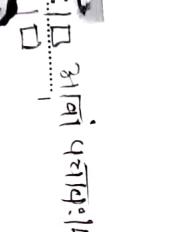
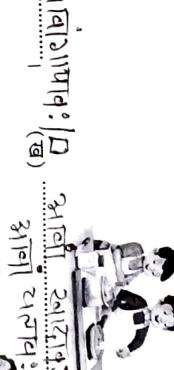
आवा॑ पठावः।



आवा॑ पठावः।

लिखितम्(Written)

1. चित्र देखकर मानकन्त में अनुवाद लिखिए। (Write the sentences in Sanskrit while looking at the pictures.)



(ग) द्विलिंग॑ भृत्य॒या॑ नद॑ दानो॑ नद॑ त्वावः॑। इ अला॑ द्विलिंग॑ भृत्य॒या॑ अला॑ द्विलिंग॑ भृत्य॒या॑।

(च) आला॑ द्विलिंग॑ भृत्य॒या॑।

संकृत में अनुवाद कीजिए। (Translate into Sanskrit.)

(क) हम दोनों खेलते हैं।

(ख) हम दोनों नमस्कार करते हैं।

(ग) हम दोनों चलते हैं।

(घ) हम दोनों हँसते हैं।

(ङ) हम दोनों पढ़ते हैं।

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। (Fill in the blanks.)

पर्याप्तम्(Oral)

उत्तम पुरुष के द्विवचन के कर्ता का प्रयोग करके वाक्य बनाइए।

+ श्रुत्वा, लिखत, बदाव च-

- (क) आवाम् (ख) स्वः (ग) गायावः (घ) गच्छावः
- (च) प्रधावः (ज) लिखावः (ज) लिखावः
- (इ) धावः (क) प्रधावः (क) प्रधावः (क) प्रधावः



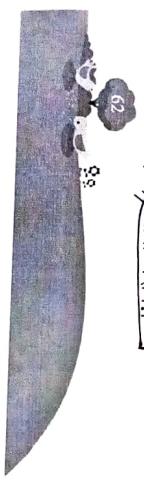
आवा॑



आवा॑



आवा॑



ଶ୍ରୀମଦ୍ଭଗବତ ପାଠ୍ୟ ପାଠ୍ୟ

ઉત્તમઃ પુરુષ

(ବାହ୍ୟଚନମ)

5
—
5

2

5
—
5

4. उचित मिलान कीजए। (Match the followings.)

(ସ) 

四

3

-

- A small, dark portrait of a man with a mustache, wearing a white shirt and a dark jacket, positioned at the top right of the page.

- (ग) आवां पश्यावः।

- 17

- आवा नृत्यावः।

- 卷之三

- अवान् गार्जावन्।

- 卷之三

- Q. इन अबलाख्य (Write the meaning in Hindi.)

- (ख) आवां तरावः।

- (ग) आवां क्रोडवः।

- घ) आवास प्रमाणित।

- ۱۰۷

द्वितीय हस्तामः ।

वर्ण हसामः

त्रिपुरा श्रीकृष्ण

मः त्वं प्राप्तं मति कोऽप्रत्येकं स्वं महात्मा हः त्रिप्राप्तं श्री रवि त्वं त्वं त्वं

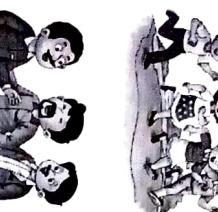
त्रैमन्त्र्यं मति कोऽप्रत्येकं स्वं महात्मा हः त्रिप्राप्तं श्री रवि त्वं त्वं त्वं

(ख)



वर्णं चलामः | □ वर्णं ह समः | □
वर्णं पचामः | □

(ग)



वर्णं ह समः | □ वर्णं ज्ञानमः | □
वर्णं पचामः | □

(घ)



वर्णं ह समः | □ वर्णं ज्ञानमः | □
वर्णं पचामः | □

2.

मंदृष्ट मे अनुवाद कीजिए। (Translate into Sanskrit.)

- (क) हम सब पढ़ते हैं।
- (ख) हम सब लिखते हैं।
- (ग) हम सब नाचते हैं।
- (घ) हम सब तरते हैं।

3.

निक्षयाने को पूर्ति कीजिए। (Fill in the blanks.)

(क)



वर्णं |

(ख)



वर्णं |

(ग)



वर्णं |

(घ)



वर्णं |

4. उचित प्रिलान कीजिए। (Match the following.)

(ख)



(ग)



(क)



(घ)



• वर्णं कूदामः।

• वर्णं गायामः।

• वर्णं चलामः।

2

5. हिन्दी मे अर्थे लिखिए। (Write the meaning in Hindi.)

(क)



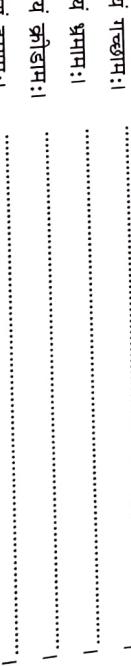
वर्णं गद्यामः।

(ख)



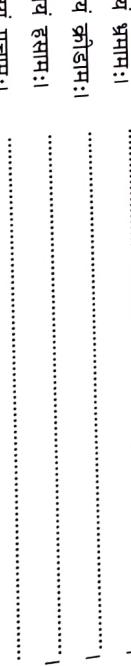
वर्णं भ्रमामः।

(ग)



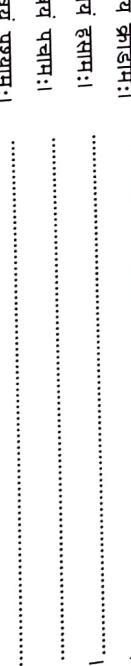
वर्णं ज्ञानमः।

(घ)



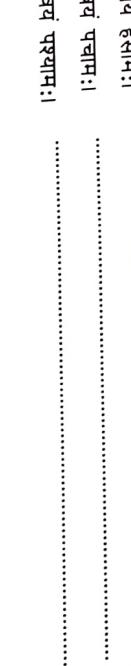
वर्णं हसामः।

(ङ)



वर्णं पचामः।

(च)



वर्णं पश्यामः।

1

वर्णं |

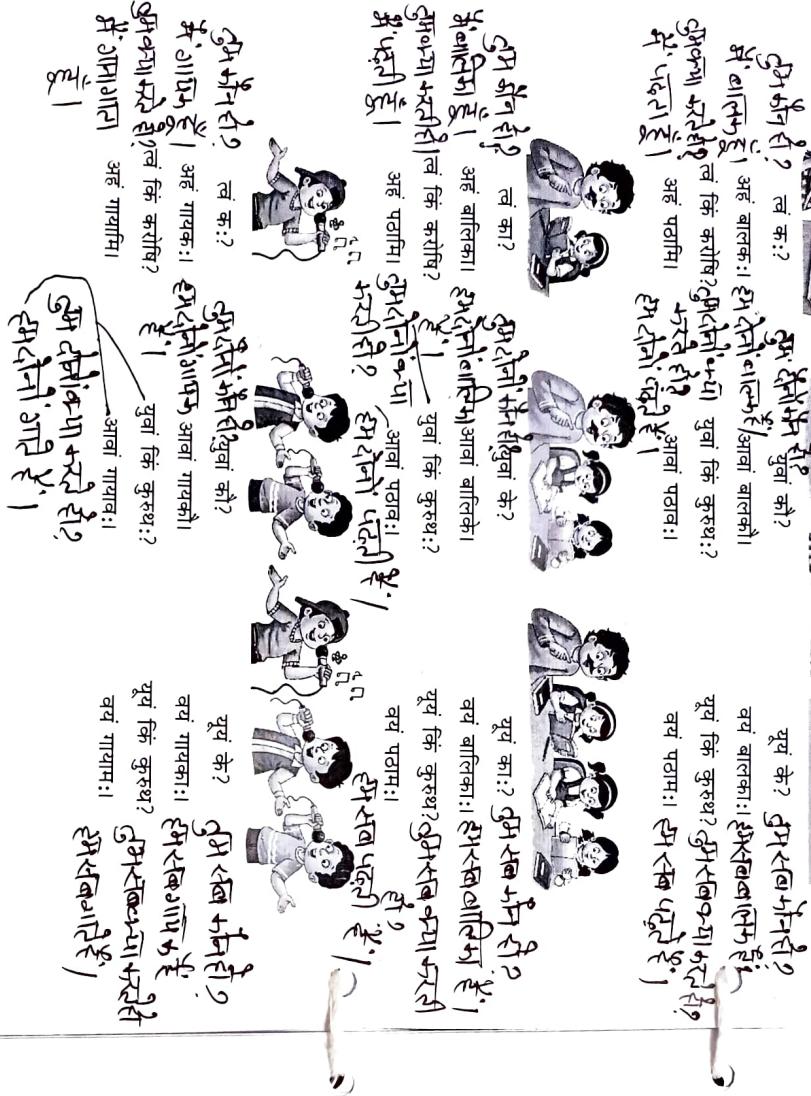
ध्वनामः।

66

67

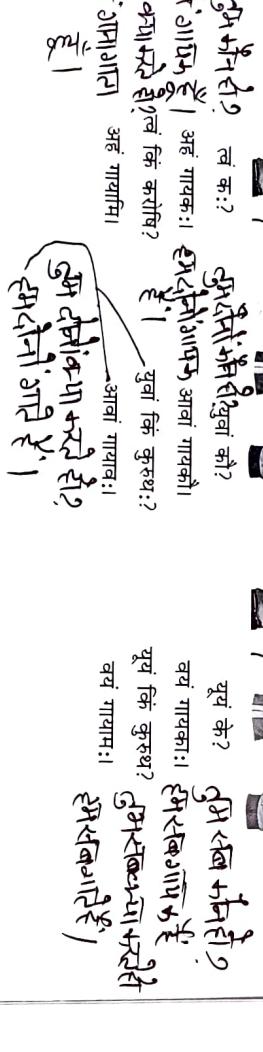
मन्त्रः मत्तिक्षिप्तं स्वप्नः श्रमन्त्रः मत्तिक्षिप्तं प्रस्तुः स्वप्नः श्रमन्त्रः

मन्त्रः मत्तिक्षिप्तं स्वप्नः श्रमन्त्रः मत्तिक्षिप्तं प्रस्तुः स्वप्नः श्रमन्त्रः



तुम कैन हो? त्वं का?
मैं बालक हूँ। अहं बालकः। हम दोनों बालक हैं। आवां बालकों।
तुम कैन हो? त्वं का?
मैं बालिक हूँ। अहं बालिकः। हम दोनों बालिक हैं। आवां बालिकों।

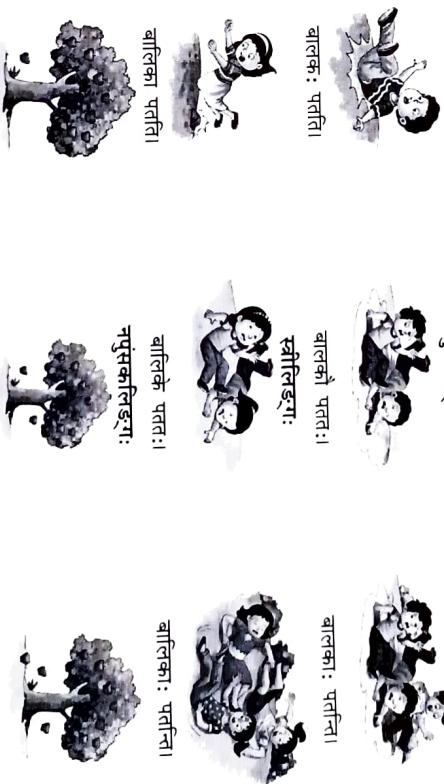
यूँ कैन हो? त्वं का?
मैं बालिक हूँ। अहं बालिकः। हम दोनों बालिक हैं। आवां बालिकों।
यूँ कैन हो? त्वं का?
मैं बालिक हूँ। अहं बालिकः। हम दोनों बालिक हैं। आवां बालिकों।



फलम् पतति।

शब्दार्थः
जिन शब्दों से किसी कार्य के होने या करने का बोध होता है, उन शब्दों को किया कहते हैं। मस्कृत में किया पदों का प्रयोग तीनों लिंगों में समान रूप से उनके वचन के अनुमार होता है; जैसे-

पुलिलक्षा:



आवा	= हम दोनों
त्वा	= हम सब
पतता:	= (हम सब) पड़ते हैं
पतता:	= सब पड़ते हैं
त्वं	= दो हैं
पतता:	= सब हैं
गान्धारा:	= (हम सब) जाते हैं
गान्धारा:	= जाता है
त्वं	= हम
अहं	= मैं
यूँ	= हम सब
यूँ	= हम दोनों
यूँ	= हम दोनों
यूँ	= हम सब
यूँ	= (हम सब) करते हैं



फलानि पतति।

फलम् पतति।

मन्त्रिः प्रभुः श्रीमत्यः मत्ति ज्ञाने प्रभुः स्वप्नहः तम्
प्रभुः श्री रवः प्रभुः मत्ति ज्ञाने प्रभुः स्वप्नहः तम्

तम् त्यः मत्ति ज्ञाने प्रभुः स्वप्नहः तम्
प्रभुः श्री रवः प्रभुः मत्ति ज्ञाने प्रभुः स्वप्नहः तम्

अभ्यास क्रूरता

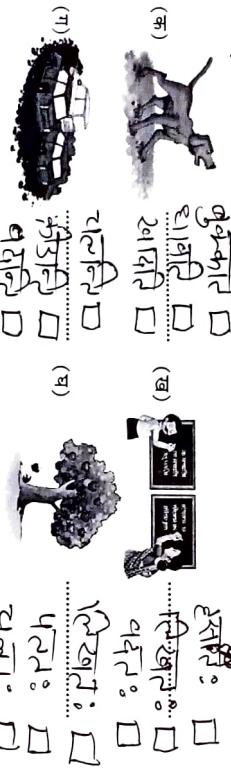
मौखिकता (Oral)

- + तिर्ग एव क्रियापतों का प्रयोग करके वाल्य बोलिए।
 परति पठामि परतः परामः गायाचः परति
 कुरुथः गायामि हस्तः परामः गायाचः तिरुक्तः
 + तिरुक्तः वरत च- (क) विकसति (ख) गायामि (ग) खादति (घ) विकसतः
 (द) खादति (च) कुरुक्षः (ज) चरिति (ज) कुरुक्षः

लिखित (Written)

त्रिधृष्टि निकल्पयुनीट /

1. चित्र देखकर संस्कृत में लिखित। (Write the verb in Sanskrit while looking at the pictures.)



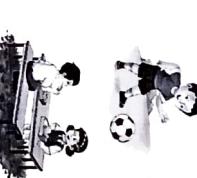
2. गुण्ड अथवा अशुद्ध लिखित। (Write correct or incorrect.)

- (क) बालिका: परति। (ख) मिहिलिका: गच्छति।
 (ग) कारयाने गच्छति। (घ) शुनकौ तुककति।
 (ज) फलामि मतिना (ज) मिमीलिके मत्तिना।

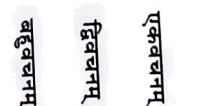
3. उच्चत मिलान करो। (Match the following.)



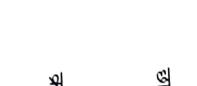
कारयानानि गच्छति।



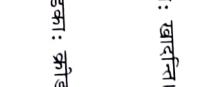
छात्रा: खादन्ति।



छात्रा: खादन्ति।



छात्रा: खादन्ति।



छात्रा: खादन्ति।



छात्रा: खादन्ति।

4. निर्देश अनुमार वचन परिवर्तन करो। (Change the words according to the instructions.)

यथा - पुष्ट विकसति। (बहुवचने) पुष्टाणि विकसति।

(क) शुनकः तुककति। (द्विवचने)

(ख) पिहिलिका चलति। (बहुवचने)

(ग) छात्रा: परति। (एकवचने)

(घ) कारयाने गच्छति। (द्विवचने)

(ज) चालकः गच्छति। (बहुवचने)

5. उदाहरण के अनुमार रिक्त स्थान भरिए। (Fill in the blanks as per given example.)

यथा - शिक्षिके। (ग्र) शिक्षिके गच्छति।

(क) बालकौ। (पर)

(ख) शिक्षका:। (तिरु)

(ग) क्रीड़कः। (क्रीड़)

(घ) पुष्ट। (विकस)

(ज) चालिका:। (मस्तु)

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

73

मन्त्रः पतिः प्रसुः स्वरूपः मतिः प्रसुः प्रसुः स्वरूपः मतिः प्रसुः प्रसुः

त्रमः प्रसुः मतिः प्रसुः प्रसुः स्वरूपः मतिः प्रसुः प्रसुः स्वरूपः मतिः प्रसुः प्रसुः

अथासं कुरुत

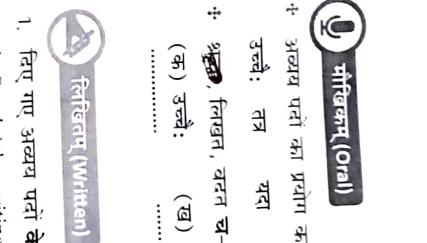
मोरिक्रम् (Oral)

प्रथय पदों का प्रयाप करके वाक्य बनाइए।
उच्चेः तत्र यदा अपि अधः सर्वत तद अद्य कुन्त्र अधुना तीव्रम्

श्रुतः, लिखत, वदत च-
(क) उच्चेः (ख) अधः (ग) तत्र (घ) अधुना (ड) शीघ्रम्

लंदर फ्रेटो वनः कूदति।
बालकः अपि कूदति।

अथ सः गद्धति है।
दोहो तत्त्वं आगता है।



1. तिए गण अथवा पदों के अर्थ लिखकर समृद्धि में वाक्य बनाइए। (Make sentences in Sanskrit by writing the meaning of the given indeclinable.)

(क) अधः

(ख) सर्वत्र

(ग) तत्र

(घ) अद्य

(ड) उच्चेः

(क) अधुना

(ख) शीघ्रम्

(ग) सर्वदा

(घ) यदा

(क) कूदति

(ख) बोलता है

(ग) बहुता है

(घ) यह (पुल्लंगा)

2. उचित मिलान कीजिए। (Match the following.)

(क) अद्य (i) इस प्रकार

(ख) कथम्

(ग) सर्वदा

(घ) योधं

(ड) एवम्

(च) कदा

(छ) च

(क) न



भाषानाम्	प्रयोगः फलं न खादति	नृनी भृत्यां भारती है।	सः सर्वदा सर्वं वदति।
शब्दार्थः	तत्र = ऊँचाज़ार से उपरि = ऊँचा कहाँ = ऊँचा अपि = भी अधः = नीचे सर्वतः = सब जाह नदा = तब	त्र = और न = नहीं कथम् = कैसे मर्वदा = हमेशा वदति = बोलता है मः = वह (पुल्लंगा) आपाः = तुकान	त्र = और न = नहीं कैसे हमेशा बोलता है वह (पुल्लंगा) तुकान

ऐसे शब्द जिनका रूप कभी नहीं बदलता अर्थात् वे तीनों लिंगों, तीनों वचनों में एक ही रूप में प्रयोग किए जाते हैं, वे अल्प शब्द कहलाते हैं; जैसे-

पुल्लंगा:- बालकः उपरि अद्या। बालकी उपरि स्त्राः। बालिका: उपरि सन्ति।

स्त्रीलिङ्गः:- बालिका उपरि अस्ति। बालिके उपरि स्त्राः। बालिका: उपरि सन्ति।

पुस्तकलिङ्गः:- पुस्तकम् उपरि अस्ति। पुस्तकानि उपरि सन्ति।

मःत्वः मरिषः कृष्णः प्रपुरुः श रथः

तेषः स्वप्नः त्रश्मत्वः मरिषः कृष्णः प्रपुरुः श रथः

3. चित्रों के अनुसार लिख ज्ञानों की पूर्ति कीजिए। (Fill in the blanks as per given picture.)



(क) पुस्तकम् अदिति।

अ

सर्वं

त

क

सर्वं

त

(ख) प्रकाशः अस्ति।

स

त

कथ

.....

(ग) आपाणः अस्ति।

म्

एव

त्वा

.....

(द्ध) वालिका अस्ति।

तीव्र

.....

त्वा

.....

(ङ) कल्पः चलति।

क

.....

त्वा

.....

(ङङ) युनकः अदिति।

य

.....

त्वा

.....

4. अन्यथा एवं का निरूपण। (Underline and write the indeclinable words.)

(क) यदि मा कर्त्ति तदा मा हमति।

क

.....

त्वा

.....

(ख) मधुः अभुता नुभति।

मधुः

.....

त्वा

.....

(ग) वालकः कृदीति, वालकः अपि कृदीति।

वालकः

.....

त्वा

.....

5. यथास्थान अन्यथा पर लिखिए। (Write indeclinable words as per given example.)

(क) कु

त्वा

कुत्र

त्वा

कुत्र

6. निम्न गाएः शब्दों में मासूलत में वाक्य निर्माण कर्त्त्वंजाए। (Make sentences in *Sanskrit* by using given words.)

फलम् वालकः वालिका कुत्र अत्र च तत्र अस्ति गच्छति पाति

(क)

.....

(ख)

.....

(ग)

.....

(घ)

.....

(ङ)

.....

(ङङ)

.....

(ङङङ)

.....

(ङङङङ)

.....

7. विद्युत् वालिका कर्त्त्वंजाए। (Underline and write the indeclinable words.)

विद्युत्

.....

त्वा

.....

8. विद्युत् वालिका च गच्छति।

विद्युत्

.....

त्वा

.....

9. विद्युत् वालिका च गच्छति।

विद्युत्

.....

त्वा

.....

मन्त्र्यः सर्वान् रामस्यः परमेष्ठा
प्रभुः स द्वयः

१५०

प्र
त्युः स्व

वातालापः लोक । १५०

त्र्यः स्व

(वेवलं पठनाय) कृत्ये प्रदेशे ।

लोक ॥



दीपिका - सुप्रभातम्।
दोपकः - सुप्रभातम्।
दीपिका - भवतः नाम किम्? आपम्।
दोपकः - मम नाम दीपकः: अस्ति भवती नाम किम्? मेरा नाम दीपकः है। (आपम्) नमिष्वये।
दीपिका - मम नाम दीपिका आस्ता। मेरा नाम दीपिका है।
दोपकः - भवती कृत्र गच्छति? आप महो जाति नहीं हैं?
दीपिका - अहं विद्यालयं गच्छामि। त्वं कृत्र गच्छसि? मैं विद्यालयं बेद्योल्पयन रही हूँ। तुम भी हो जा रहे हो।
दोपकः - अहं अपि विद्यालयं गच्छामि। मैं भी विद्यालय जा रहा हूँ।
दीपिका - भवती कस्या कक्षायां पठति? आप महो स्मी कृष्णा जी पढ़ती हैं?
दोपकः - अहं चतुर्थ कक्षायां पठामि। भवत् कस्यां कक्षायां पठति? मैं चतुर्थ कक्षा में पढ़ती हूँ। आप महो स्मी कृष्णा जी पढ़ते हैं।
दोपकः - शोभनम्! अहं अपि चतुर्थ कक्षायां पठामि। आगच्छु, आवां मिलत्वा चलावः।
आटहा! मैं अविच्छिन्न भक्ता मैं पढ़ता हूँ। आओ, हम तीनों बढ़ते हैं।